सेंट उर्सुला गर्ल्स हायस्कूल अण्ड जुनिअर कॉलेज, नागपूर

द्वितीय सत्र परीक्षा 2020

विषय – हिंदी

समय –3.00 घंटे | वर्ग – 9 (A,B,D,E,F,G) | गुण – 80

विभाग 'अ' गद्य

प्र. 1 ला) क पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओ के अनुसार कृतियॉं कीजिए।

क1 आकलन कृति –

आकृति पूर्ण कीजिए : (2)

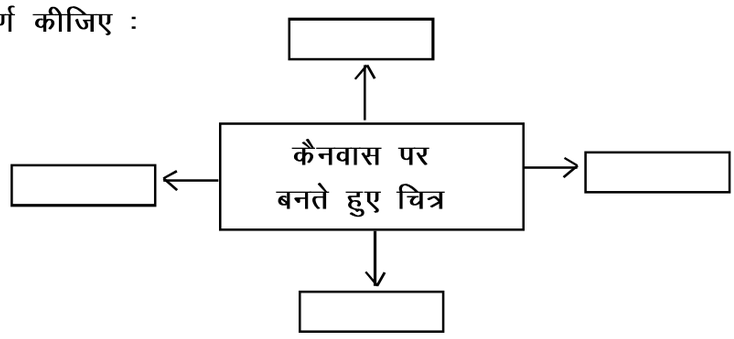

※ अमरनाथ घर के भीतर कैनवास पर फूलों, पत्तों झरने और हरियाली के चित्र बनाते, वहीं घर के बाहर की जितनी खुली जमीन थी, माली के साथ उन्होंने उस जमीन को तैयार करवाया था। सामने की जमीन में बगीचा बनाया था, जिसमें रंग-बिरंगे मौसम के फूल क्यारियों में लगाए थे। उन्होंने ऋतुओं के क्रम से फूलों के पौधे लगवाए थे। गरमी के बाद बरसात और बरसात के बाद सरदी के पौधों में फूल खिलते। घर के पीछे की जमीन में उन्होंने फलों के पेड़ लगा दिए थे। घर की चारदीवारी के साथ फूलों और फलों की बेलें चढ़ा दी थीं। घर और बाहर के लोग आश्चर्य से उनकी ओर देखते। वे हँसते, मैं जीवन का व्याकरण बना रहा हूँ। जीवन के अछूते सच के शिखर पर चढ़ने के लिए सीढ़ियाँ लगा रहा हूँ,' कहकर हँसने लगते।

क 2 1) कृति पूर्ण कीजिए: (1)

2) कथनो के सामने सत्य/असत्य लिखिए: (1)

1. घर और बाहर के लोग उन्हें देखकर हॅसते।
2. वे हॅसते, मै जीवन का व्याकरण बना रहा हूॅ।

क 3. शब्द संपदा: (2)

1. परिच्छेद मे ऐसे शब्द ढूॅढकर लिखिए जिनका वचन परिवर्तन नही होता

1) ———— 2) ————

2. **निम्नलिखित शब्दो के लिंग पहचानिएः**

1) घर –

2) जमीन –

क 4 स्वमत अभिव्यक्ती **(2)**

''कला मे अभिरूची होने से जीवन का आनंद बढ़ता है।''

इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

ख पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिएः

ख 1. संजाल पूर्ण किजिएः **(2)**

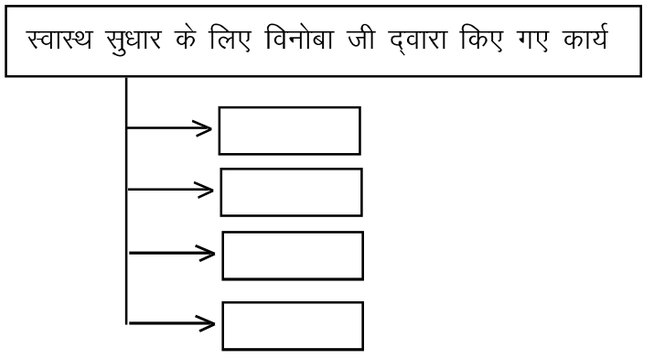

स्वास्थ्य सुधार के निमित्त पहले तो मैंने दस-बारह मील घूमना शुरू किया । बाद में छह से आठ सेर अनाज पीसना चालू किया । आज तीन सौ सूर्य नमस्कार और घूमना, यह मेरा व्यायाम है । इससे मेरा स्वास्थ्य ठीक हो गया ।

आहार के विषय में : पहले छह महीने तक तो नमक खाया । बाद में उसे छोड़ दिया । मसाले वगैरा बिलकुल नहीं खाए और आजन्म नमक और मसाले न खाने का व्रत लिया । दूध शुरू किया । बहुत प्रयोग करने के बाद यह सिद्ध हुआ कि दूध बिना बराबर चल नहीं सकता । फिर भी अगर इसे छोड़ा जा सकता हो तो छोड़ देने की मेरी इच्छा है । एक महीना केले, दूध और नींबू पर बिताया । इससे ताकत कम हुई ।

कार्य

१. गीता का वर्ग चलाया । इसमें छह विद्यार्थियों को अर्थ-सहित सारी गीता सिखाई बिना पारिश्रमिक के ।

२. ज्ञानेश्वरी छह अध्याय । इस वर्ग में चार विद्यार्थी थे ।

३. उपनिषद नौ । इस वर्ग में दो विद्यार्थी रहे ।

४. हिंदी प्रचार : मैं स्वयं अच्छी हिंदी नहीं जानता । फिर भी विद्यार्थियों को हिंदी के समाचार-पत्र पढ़ने-पढ़ाने का क्रम रखा ।

५. अंग्रेजी दो विद्यार्थियों को सिखाई ।

६. यात्रा लगभग चार सौ मील पैदल । राजगढ़, सिंहगढ़, तोरणगढ़ आदि इतिहास प्रसिद्ध किले देखें ।

ख. 2. 1) आकृति पूर्ण किजिएः **(1)**

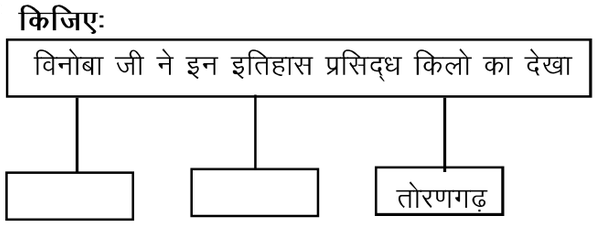

2) रिक्त स्थान पूर्ण किजिएः **(1)**

1) अर्थ सहित सारी गीता सिखाई बिना ––– के।

2) अंग्रेजी दो ––––– को सिखाई।

ख. 3. शब्द संपदाः **(2)**

1) निम्नलिखित वाक्य मे संज्ञा पहचानकर उसका भेद लिखिए।
बाद मे छह से आठ सेर अनाज पीसना चालू किया।

2) दिए गए वाक्य मे से विशेषण पहचानकर उसका भेद लिखिए :
स्वास्थ्य सुधार के निमित्त पहले तो मैने दस–बारह मील घूमना शुरू किया।

ख. 4. स्वमत अभिव्यक्तिः **(2)**

''स्वस्थ शरीर मे स्वस्थ मन का वास होता है''
इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट किजिएः

ग) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर सुचनाओ के अनुसार कृतियॉ किजिएः

ग. 1. एक वाक्य मे उत्तर लिखिएः **(2)**

1) मानव ने पुस्तको का आरंभ क्यो किया ?

2) पुस्तको ने कौनसी जिम्मेदारी सॅभाली हुई है ?

पुस्तक का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है। मानव ने सर्वप्रथम पुस्तक का आरंभ अपने अनुभूत ज्ञान को विस्मृति से बचाने के लिए किया था। विकास के आदिकाल में पत्ते, ताड़पत्र, कांस्यपत्र आदि साधन इस ज्ञानसंग्रह के सहायक रहे हैं, ऐसा पुस्तक का इतिहास स्वयं बताता है। पुस्तकें मानव को अपना अनुभव विस्तृत करने में सहायक होती हैं, साथ ही उन्होंने अपने पूर्वजों के सभी प्रकार के कृत्यों को जीवित रखने की जिम्मेदारी भी सँभाली हुई है। आज के युग में प्राचीन वीरों, धार्मिक महात्माओं, ऋषियों, नाटककारों, कवियों आदि का पता हम इन्हीं पुस्तकों के सहारे पाते हैं। पुस्तकें ही अंतरराष्ट्रीय विचारक्षेत्र में विभिन्न देशों के दृष्टिकोणों को एक आधार पर सोचने के लिए बाध्य करती हैं।

ग. 2. ''पुस्मकों की उपयोगीता'' के बारे मे अपने विचार स्पष्ट किजिएः **(2)**

अपने विचार स्पष्ट किजिए –

विभाग ब पद्य

प्र. 2. च पठित पद्यांश पढ़कर सूचन के अनुसार कृतियॉ कीजिएः

च. 1. संजाल पूर्ण किजिएः **(2)**

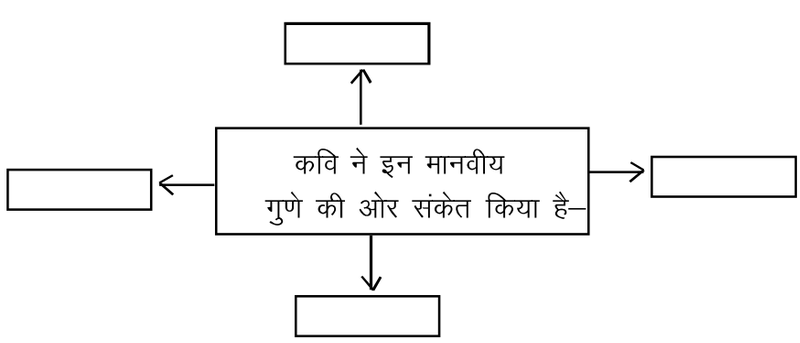

अँधेरे के इलाके में किरण माँगा नहीं करते
जहाँ हो कंटकों का वन, सुमन माँगा नहीं करते ।

जिसे अधिकार आदर का, झुका लेता स्वयं मस्तक
नमन स्वयमेव मिलते हैं, नमन माँगा नहीं करते ।

परों में शक्ति हो तो नाप लो उपलब्ध नभ सारा
उड़ानों के लिए पंछी, गगन माँगा नहीं करते ।

जिसे मन-प्राण से चाहा, निमंत्रण के बिना उसके
सपन तो खुद-ब-खुद आते, नयन माँगा नहीं करते ।

जिन्होंने कर लिया स्वीकार, पश्चात्ताप में जलना
सुलगते आप, बाहर से, अगन माँगा नहीं करते ।

च. 2. पद्यांश पर आधारित दो ऐसे प्रश्न बनाकर लिखिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो:(1)

1) मस्तक

2) वन

च. 3. सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए: (1)

परो मे शक्ति हो तो जो नाप सकते हो	⟶

च. 4. निम्नलिखित पद्यांश का भावार्थ लिखिए: (2)

अँधेरे के इलाके ———————— नमन मॉगा नही करते।

छ अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओ के अनुसार कृतियॉ कीजिए:

छ. 1. वाक्य पूर्ण कीजिए: (2)

1) वह उदासी के बारे मे जानता तक नही था, जब ————

अ) वह जवान था।

ब) वह स्वतंत्र था।

क) वह अपने पिंजरे मे था।

2) अरूणोदय होते ही वह करता था स्वागत ————————

अ) अपने पिता का।

ब) अपनी माता का।

क) रवि का।

छोटा था, पर सुखकर था वह,
तरुवर का मेरा आवास।
उसमें ही मिलता था मुझको
जग के सभी सुखों का भास।

सदा प्रसन्नचित्त रहता था
होता कभी न दुखित उदास।
चिंताहीन रहा करता था
अपने सुहृदजनों के पास।

अरुणोदय होते ही उड़कर
रवि का करता था स्वागत
उसे जगाता जो सोया हो
तरु के नीचे अभ्यागत।

छ. 2. कृति पूर्ण किजिएः **(1)**

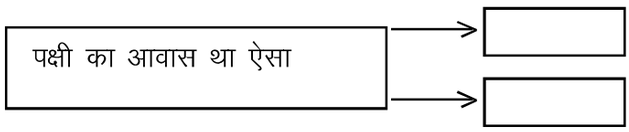

छ. 3. सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिएः **(1)**

1) तरूवर का मेरा आवास/अभ्यागत
2) जग के सभी सुखों/दुखों का भास

छ.4. निम्नलिखित पंक्तियो का भावार्थ लिखिएः **(2)**

सदा प्रसन्नचित्त ———————— नीचे अभ्यागत।

विभाग 'क' पूरक पठन

प्र. 3 ज निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सुचनाओ के अनुसार कृतिया कीजिएः

ज.1. कृति पूर्ण कीजिए **(2)**

परिच्छेद मे बताए गए पिताजी के गुण ।

1) ———————— 3) ————————
2) ———————— 4) ————————

पॉयनियर प्रेस में प्रताप की समय की पाबंदी, शुद्ध-स्वच्छ लिखावट, सही-साफ हिसाब-किताब रखने की आदत, विनम्र-निश्चल व्यवहार ने बहुत जल्दी उनको विशिष्टता दे दी । अपना काम खत्म कर वे सहयोगी क्लार्कों का पिछड़ा काम भी अपनी मेज पर रख लेते और दफ्तर बंद हो जाने के घंटों बाद, रात देर तक काम में जुटे रहते । इस प्रकार वे अधिकारियों और सहकर्मियों, दोनों के प्रिय बन गए । घर से दफ्तर चार मील होगा; कुछ कम भी हो सकता है । फासले के मामले में मेरा अनुमान हमेशा गलत होता है-ज्यादा की तरफ । वे पैदल ही आते-जाते शायद पैसे बचाने की गरज से, साइकिल न उन्होंने खरीदी, न उसकी सवारी की ।

ज. 2. कारण लिखिए **(2)**

1) पिताजी अधिकारियो और सहकर्मियो, दोनो के प्रिय बन गए थे।
2) वे दफ्तर पैदल ही आते–जाते थे।

द निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचनाओ के अनुसार कृतियॉ कीजिएः

द. 1. एक शब्द मे उत्तर दीजिएः **(2)**

1. प्राकृतिक जगत मे बिखरी पड़ी है –
2. यहॉ कोयल रूक–रूककर गाती है –
3. इनकी ज्वालाएँ ऑखे शीतल करती है –
4. ये बहती है सीमाहीन

कितनी सुंदरता बिखरी
प्राकृतिक जगत में, ईश्वर,
टपक रही गिरि-शिखरों से झर,
लोट रही घाटी में
लिपटी धूप छाँह में निःस्वर !

अनिल स्पर्श से पुलकित तृण दल,
बहती सीमाहीन
श्लक्ष्ण संगीत स्रोत-सी
अहरह वन-भू मर्मर !

फूलों की ज्वालाएँ
आँखें करतीं शीतल,
मुकुल अधर मधु पीते
गुंजन भर मधुकर दल !
तितली उड़तीं,
दूर, कहीं पल्लव छाया में
रुक-रुक गाती वन प्रिय कोयल !

द. 2. **कविता की पंक्तियो को उचित क्रमानुसार लिखकर प्रवाह तख्ता पूर्ण कीजिएः** **(2)**

1) मुकुल अघर मधु पीते
2) लिपटी धूप छॉट मे निःस्वर
3) अनिल स्पर्श से पुलकित तृण दल
4) रूक–रूक गाती वन प्रिय कोयल

विभाग ड – व्याकरण

प्र. 4. **सुचनाओ के अनुसार निम्नलिखित कृतियॉ कीजिएः**

1) वाक्य मे प्रयुक्त सर्वनाम को छॉटकर उसका भेद लिखिएः **(1)**
आखिर वह शुभ दिन आ पहुँचा।

2) रेखांकित शब्द का कारक पहचानकर उसका भेद लिखिएः **(1)**
यह बनमानस कहॉ से पकड लाए।

3) सहायक क्रिया छॉटकर लिखिएः **(1)**
तनिषा अचेत सोनू को देख घबरा गई।

4) प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिएः **(1)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्वितीय प्रेरणार्थक
पढ़ना	––	————

5) अव्यय का वाक्य मे प्रयोग कीजिएः **(1)**
हमेशा –

6) शब्दो की संधि कीजिएः **(1)**
1) कवि + इंद्र = ———————
2) महा + उत्सव = ———————

7) मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य मे प्रयोग कीजिएः **(1)**

हाथ बॅटाना –

8) अर्थ के आधार पर वाक्यो के प्रकार लिखिएः **(1)**

1) भाभी जी, ये सिलवर क्रीम किसकी है ?

2) सेठ जी बोले, ''हाथ! में लुट गया।''

1) निम्नलिखित वाक्यो का काल परिवर्तन कीजिएः **(2)**

1) मै दस–बारह मील घूमना चालू करूँगा।

(सामान्य भूतकाल)

2) सैनिक ने अपने घर पत्र लिखा।

(अपूर्ण वर्तमान काल)

विभाग इ – रचना विभाग

प्र. 5 1) पत्र–लेखनः **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारीत पत्रलेखन कीजिएः

गर्मी की छुट्टीयो मे महानगरपालिका द्वारा पक्षियो के लिए घोंसले तथा दाना–पानी की व्यवस्था किए जाने के कारण संबंधित विभाग को पत्र लिखिए

अथवा

13/350, नेहरू चौक अमरावती – 444601 से अमित पांडेय अपने छोटे भाई अनिल को व्यायाम का महत्त्व समझाते हुए पत्र लिखता है।

प्र. 5. 2. वृत्तांत लेखनः **(5)**

अपनी पाठशाला मे मनाए गए 'विज्ञान दिवस' समारोह का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए। (लगभग 60 से 80 शब्द में)

(वृत्तांत मे स्थल, काल, घटना का उल्लेख आवश्यक है।)

प्र. 5. 3. विज्ञापन लेखनः **(5)**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 ते60 शब्दो मे विज्ञापन तैयार किजिएः

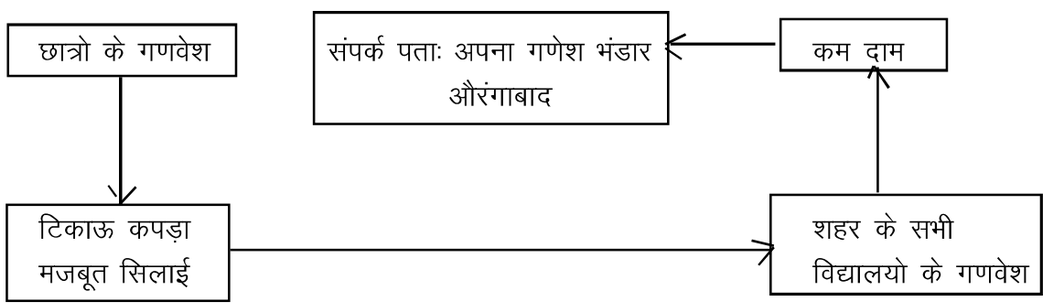

प्र. 5. 4. गद्य आकलनः **(5)**

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पॉच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक वाकय मे हीः

ऐसा माना जाता है कि संगीत का प्रभाव औषधियों से कम नहीं है। एक शल्य-क्रिया के बाद किसी मरीज ने संगीत के चमत्कार का वर्णन किया। उसने बताया कि स्वास्थ्य लाभ करते समय, उसने संगीत खूब सुना। वह कभी-कभी इसमें इतना खो जाता था कि वह अपनी दर्द निवारक गोलियाँ लेना भूल जाता था। संगीत शांतिदायक तथा मधुर होना चाहिए। कई बच्चे जन्म से ही बात नहीं कर सकते अथवा ज्यादा हिल-डुल नहीं सकते। संगीत का इतना बड़ा प्रभाव है कि ये लोग बोलने लगे तथा संगीत की ताल पर उनके हाथ-पैर का हिलना-डोलना शुरू हुआ। इस तनावपूर्ण दुनिया में संगीत के प्रभाव को नकार नहीं सकते।

प्र. 5.5 कहानी लेखन **(5)**

दिए गऐ शब्दो की सहायता से कहानी लेखन कीजिए। उसे उचित शीर्षक देकर प्राप्त होने वाली सीख भी लिखिएः

एक लड़का –– शहर के महाविद्यालय मे पढ़ना –– छुट्टीयो मे गॉव आना –– प्रतिवर्ष सूखे की समस्या का सामना ––––– मन मे निश्चय –– लोगो का हॅसना –– एक मित्र का साथ देना –– कुऑ खोदने का प्रारंभ––लोगो का जुडना –– कुऑ तैयार होना –– कुऑ पानी से भरना –– लोगो का खुश होना –– सीख, शीर्षक।

प्र 5. 6. निबंध लेखन **(5)**

निम्नलिखित विषयो मे से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो मे निबंध लिखिएः

1) नदी किनारे एक शाम

2) यदि श्यामपट बोलने लगे तो –––––

***